

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2018-19	1.4.17 की स्थिति (बेसलाईन)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
	अनुदान संख्या 10								
	2056-जेलें								
	001- निदेशन तथा प्रशासन								
	00-कारागार अधिष्ठान								
	03- कारागार अधिष्ठान, 04-कारागार मुख्यालय								
1	अधिष्ठान पर व्यय-	कारागारों में निरुद्ध बंदियों की सुरक्षा,	3958.09	-	-	प्रदेश की 10 कारागारों एवं कारागार मुख्यालय में कार्यरत कुल 676 कार्मिकों तथा 11 कार्यालयों हेतु	कुल कार्मिकों की 676	100 प्रतिशत बंदियों के रख-रखाव व उनकी सुरक्षा व्यवस्था होगी तथा कार्यालयों के कार्य सम्पादित होंगे।	01 वर्ष
2	बंदियों के रख-रखाव, प्रशिक्षण/ कार्यशाला, सुरक्षा आदि पर व्यय	भोजन चिकित्सा एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था	1817.30	-	-	प्रदेश की 10 कारागारों में लगभग 4800 बंदियों को निरुद्ध करने हेतु 03 कारागारों में कृषि बागवानी व कारागार उद्योग संचालन एवं बंदियों के प्रशिक्षण हेतु	बंदियों की औसत संख्या-4685	100 प्रतिशत बंदियों का रख-रखाव एवं बंदियों को समाज की मुख्य धारा में लाने हेतु उनमें सुधारात्मक कार्य, विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण, कार्यशालाओं का आयोजन होगा।	01 वर्ष
3	कारागारों में सुरक्षा, आधुनिकीकरण आदि के कार्यों पर व्यय	कारागारों की सुरक्षा	600.00	-	-	समस्त 10 कारागारों में सी0सी0टी0वी0 व मोबाइल जैमर, मैटल डिटेक्टर आदि की व्यवस्था	-	समस्त 10 कारागारों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा प्रशासनिक प्रबंधन का विकास होगा।	01 वर्ष
	अनुदान संख्या 10								
	4059-लोक निर्माण कार्य पर पूँजीगत परिव्यय, 80-सामान्य								
	051-निर्माण व्यय								
	02-जेलों का निर्माण /भूमि का कय								
1	24-वृहद् निर्माण/अनुसूक्षण कार्य	जनपदों में नवीन कारागारों का निर्माण एवं विस्तारीकरण के कार्य तथा कारागार मुख्यालय का निर्माण	-	9000	-	ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ़, चम्पावत तथा बागेश्वर में कुल 04 नवीन कारागार व 01 कारागार मुख्यालय का निर्माण तथा लगभग 260 आवासीय भवनों का निर्माण	10 कारागारों की कुल बंदी क्षमता 3378	दूसरे जनपदों की कारागारों में ओवर काउंटिंग की समस्या का समाधान तथा बंदियों को लाने-ले जाने के व्यय की बचत व उनकी सुरक्षा होगी। कार्मिकों की आवासीय समस्याओं का निराकरण होगा।	05वर्ष
	योग		6375.39	9000					

(डॉ०पी०वी०के०प्रसाद)
महानिरीक्षक कारागार।

परफॉरमेन्स बजट 2017-18(28 फरवरी,2018 तक)

धनराशि (लाख ₹0 में)

क्र०सं	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		आउटपुट	समय सीमा	आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत				
	अनुदान संख्या 10							
	2056-जेलों	कारागारों में निरुद्ध बंदियों की सुरक्षा, भोजन चिकित्सा एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था						
	001- निदेशन तथा प्रशासन							
	00-कारागार अधिष्ठान							
	03- कारागार अधिष्ठान, 04-कारागार मुख्यालय							
1	अधिष्ठान पर व्यय-		3517.80		प्रदेश की 10 कारागारों एवं कारागार मुख्यालय में कार्यरत कुल 676 कार्मिकों तथा कार्यालयों के संचालन पर व्यय	01 वर्ष	समस्त कार्यालयों का कार्य सुचारु रूप से संचालित किया गया है।	01 वर्ष
2	बंदियों के रख-रखाव, प्रशिक्षण/ कार्यशाला, सुरक्षा आदि पर व्यय	1503.00		प्रदेश की 10 कारागारों में निरुद्ध लगभग 4799 बंदियों के भोजन, रख-रखाव, 03 कारागारों में कृषि बागवानी व कारागार उद्योग संचालन एवं बंदियों के प्रशिक्षण पर व्यय	01 वर्ष	कारागारों में निरुद्ध लगभग 4799 बंदियों का रख-रखाव, भोजन एवं सुरक्षा की गयी तथा जेलों में बंदियों को शिक्षित एवं विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण दिलाया गया।	01 वर्ष	
3	कारागारों में सुरक्षा, आधुनिकीकरण आदि के कार्यों पर व्यय	कारागारों की सुरक्षा	300.00	प्रथम चरण में 05 कारागारों में सी0सी0टी0वी0 स्थापना पर व्यय	01 वर्ष	कारागारों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करना तथा प्रशासनिक प्रबंधन का विकास करना।	01 वर्ष	
	अनुदान संख्या 10							
	4059-लोक निर्माण कार्य पर पूँजीगत परिव्यय	जनपदों में नवीन कारागार/ विस्तारीकरण के कार्य तथा कारागार मुख्यालय का निर्माण						
	80-सामान्य							
	051-निर्माण व्यय							
	02-जेलों का निर्माण /भूमि क्रय							
1	24-वृहद् निर्माण/अनुरक्षण कार्य	मुख्यालय का निर्माण		400.00	03 कारागार विहीन जनपदों में नवीन कारागार व मुख्यालय का निर्माण कार्य तथा 03 कारागारों में विस्तारीकरण के कार्य व 82 आवासीय भवनों का निर्माण	02 वर्ष	दूसरे जनपदों की कारागारों में ओवर काउंटिंग को कम करना तथा बंदियों को लाने-ले जाने पर व्यय की बचत व उनकी सुरक्षा। कार्मिकों की आवासीय समस्याओं का निराकरण।	02 वर्ष
	योग		5320.80	400.00				

(डॉ०पी०वी०के०प्रसाद)
महानिरीक्षक कारागार।